नॉर्थ ईस्ट ऑन व्हील्स के फ्लैग ऑफ कार्यक्रम में
माननीय राज्यपाल श्री गुलाब चन्द कटारिया का संबोधन

दिनांक 17 अक्टूबर 2023, शुक्रवार	**समय : 9.00 AM**	**स्थान : राजभवन, असम**

- अमेजिंग नमस्ते फाउंडेशन के चेयरमैन श्री अतुल कुलकर्णी जी,
- भ्रमण कार्यक्रम में भाग ले रहे प्रतिभागीगण,
- फाउंडेशन के सदस्यगण,
- उपस्थित देवियों और सज्जनों,

नमस्कार

अमेजिंग नमस्ते फाउंडेशन द्वारा आयोजित विशेष भ्रमण कार्यक्रम "नॉर्थ ईस्ट ऑन व्हील्स" में आप सभी सहभागियों का में माँ कामाख्या की पावन नगरी गुवाहाटी में स्वागत करता हूँ। "एक भारत श्रेष्ठ भारत" पर केंद्रीत इस यात्रा को हरि झंडी दिखाने का अवसर प्रदान करने के लिए मैं अमेजिंग नमस्ते फाउंडेशन को धन्यवाद देता हूं।

मुझे बताया गया है की देश के विभिन्न हिस्सों से कुल 45 बाईक सवार इस यात्रा में भाग ले रहे हैं। आप "फाल्कन" और "मायना" नामक दो समूहों में पूर्वोत्तर के तीन राज्यों असम, मेघालय और नगालैंड में लगभग 20 जिलों से गुजरते हुए 40,000 किलोमीटर की यात्रा पूरी करेंगे। यह एक विशेष गौरव की बात है।

देश का पूर्वोत्तर क्षेत्र अत्यंत सुंदर एवं विविधता से भरपूर है। इस क्षेत्र में 166 से भी अधिक विभिन्न जनजातियां निवास करती हैं। इनमें से अधिकांश समुदायों की भाषा, बोली और संस्कृति भी भिन्न है। भिन्नता के बावजूद यहां लोग मिलजुल कर रहते हैं, जो अनेकता में एकता के भाव को चरितार्थ करता है। अगले आठ दिनों तक आप यहां की कला, संस्कृति, सामाजिक सभ्यताओं के बारे में जानेंगे और अनुभव करेंगे।

मित्रों,

देश आजादी का अमृत महोत्सव मना रहा है और इस निमित्त हम पूरे देश में स्वतंत्रता संग्राम में योगदान देने वाले अनगिनत स्वतंत्रता सेनानियों को नमन कर रहे हैं। गोहपूर की कनकलता बरुआ का इसमें विशेष उल्लेख करना अति आवश्यक है। 19 वर्ष की कम उम्र में ब्रिटिश हुकुमत के खिलाफ उन्होंने अदम्य साहस का परिचय दिया था।

जोरहाट के मणीराम दिवान हो या जोवाई के राजा नांगबाह, मणीपूर के यू तीरथ सिंह हों या नगालैंड की रानी माँ गाईदेनल्यू या मिज़ो राजा लालसावंगा की पुत्री रानी इलियानी सभी ने ब्रिटिश साम्राज्य को इस देश से उखाड़ फेंकने के लिए अपनी ताकत झोंक दी थी।

माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने पूर्वोत्तर को देश का भविष्य बताया है। उन्होंने इसे अष्टलक्ष्मी की उपमा दी है। भारत सरकार पूर्वोत्तर को दक्षिण पूर्व एशिया और दक्षिण एशिया का महाद्वार बनाने के लिए 'एक्ट ईस्ट पॉलिसी' के अंतर्गत सराहनीय और प्रभावशाली कार्य कर रही है।

पिछले कुछ वर्षों में इस क्षेत्र में रेल, सड़क और हवाई कनेक्टिविटी को बढ़ाने का सराहनीय कार्य किया गया है। इसके अलावा ढाँचागत बुनियादी सुविधाएं जैसे बिजली, पानी, इंटरनेट आदि उपलब्ध कराने के लिए भी उल्लेखनीय कार्य किए गए हैं। यहां व्यापार और उद्योग के साथ-साथ पर्यटन को भी बढ़ावा देने के लिए विशेष जोर दिया जा रहा है।

मुझे बताते हुए प्रसन्नता हो रही है कि कई गैर-सरकारी संस्थाएं भी पूर्वोत्तर में पर्यटन को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण योगदान दे रही हैं। इसमें अमेजिंग नमस्ते फाउंडेशन भी सराहनीय योगदान दे रहा है। इस कड़ी में यह भ्रमण कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है।

मुझे बताया गया है कि इस यात्रा के दौरान पर्यटन मंत्रालय की पहल “देखो अपना देश” का भी प्रचार किया जाएगा। लोगों को देश की विविध कला, संस्कृति, भाषा आदि के बारे में जानने के लिए समझने के लिए प्रेरित किया जाएगा।

यह भ्रमण कार्यक्रम “एक भारत श्रेष्ठ भारत” परियोजना के उद्देश्य की पूर्ति में भी मदद करेगा। ये पहल लोगों को लोगों से जोड़ेगी। सांस्कृतिक संबंधों के माध्यम से देश के विभिन्न भागों में रह रहे लोगों के बीच भाईचारा और सोहार्द बढ़ेगा तथा भारत में एकता की नींव और मजबूत होगी।

मित्रों,

सड़क सुरक्षा मानव जीवन के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। हमारे समाज में हर रोज हजारों लोग यातायात दुर्घटनाओं में शिकार होते हैं, जिनसे कई लोग जान गवाने के साथ-साथ जीवनधारण खो देते हैं। बच्चे, युवा, और वृद्ध लोग इन दुर्घटनाओं के शिकार बनते हैं। इन दुर्घटनाओं की एक बड़ी संख्या का मूल कारण मानव लापरवाही होती है। मुझे खुशी है कि यात्रा के दौरान लोगों को सड़क सुरक्षा के लिए लोगों को भी जागरूक किया जाएगा, जो एक सराहनीय पहल है।

आप सभी लोग विभिन्न व्यावसायिक पृष्ठभूमि से आते हैं। अतः मैं आप सभी से अपील करता हूं कि आप अपनी प्रतिभा और योग्यता के अनुसार लोगों विशेषकर युवाओं से अनवरत संपर्क बनाएं और उनका सही मार्गदर्शन कर उन्हें देश के विकास में योगदान देने के लिए प्रेरित करें।

मुझे विश्वास है कि आप इस यात्रा के अनुभव अपने मित्र, परिजनों के साथ साझा करेंगे और “एक भारत श्रेष्ठ भारत” की परिकल्पना को आनेवाले अमृत काल में साकार करने में अपना योगदान देंगे।

अंत में इस विशेष आयोजन हेतू में अमेजिंग नमस्ते फाउंडेशन का पुनः एक बार धन्यवाद देता हूं और आप सभी को इस यात्रा की सफलता के लिए शुभकामनाएं देता हूं।

धन्यवाद।

जय हिन्द।